YBS1-1-HI

आप कैसे निश्चित हो सकते हैं कि आप परमेश्ार के साथ अनंतकाल बिताएंगे? - प्रोग्राम 1

अनाऊंसर: आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, सबसे महत्वपुर्ण धार्मिक सवाल जिसका जवाब आपको देना है/ आप कैसे निश्चित हो सकते हैं कि आप अनंतकाल परमेश्वर के साथ बिताएंगे/

डॉक्टर अरविन लुथजर: इस तरह से सोचिए, हमारे मरने के एक मिनट बाद/ एक तो हमने स्वर्ग में मसीह की सुंदरता या महीमा देखी, या हमने ऐसा कुछ देखा जो भयानक है/ जिसकी कल्पना से भी आज हम डर जाते हैं/ मतलब जब आप इसके बारे में सोचते हैं, सबसे महत्वपुर्ण सवाल हो हम कभी पुछ सकते हैं, वो है कि हम अनंतकाल कहाँ बिताएंगे?

अनाऊंसर: इस सवाल का जवाब देने के लिए, आज मेरे मेहमान हैं डॉक्टर अरविन लूथज़र/ सीनियर पास्टर हैं, मूडी मेमोरियल चर्च शिकागो इलनॉय के/ साथ ही ये इन सवालों का भी जवाब देगे/ बाइबल उनके बारे में क्या कहती है जो पहले मसीही विश्वास का अंगिकार करते हैं, और बाद में जीवन में विश्वासी होना छोड़ देते हैं/ यदि विश्वासी कुछ पापों का अंगिकार किए बिना मर जाता है/ तो क्या इससे परमेश्वर ने उसके लिए किए सारे काम बेकार हो जाएंगे? हम कैसे निश्चित जान सकते हैं, कि आज हम उद्धार पाएं हैं, कल और हमेशा के लिए उद्धार पाएं हैं? हम आपको जुड़ने का न्योता देते हैं, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हमारे प्रोग्राम में स्वागत है/ हम बहुत ही महत्वपुर्ण मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं, जिस पर कोई चर्चा कर सकता है/ हम कैसे निश्चित हो सकते हैं कि हम परमेश्वर के साथ अनंतकाल बिताएंगे/ मतलब क्या आप इससे ज्यादा महत्वपुर्ण कुछ देखते हैं, मेरे दोस्त हैं, डॉक्टर अरविन लूथर, पास्टर हैं मूड़ी मेमोरियल चर्च के, शिकागो में/ हम काफी समय एक दूसरे को जानते हैं, मैंने इस विषय पर इनकी किताब पढी है/ मैं तो बस यही कहुंगा कि मैंने अब तक पढ़ी किताबों में ये सबसे उत्तम है/ आज मेरा लक्ष्य है कि आपको ये महत्वपुर्ण जानकारी दुँ/ अरविन यही से शुरु करते हैं/ ये मुद्दा कि हम अपना अनंतकाल कहाँ बिताएंगे ये निश्चित रुप में जानना इतना, जरुरी क्यों है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर जॉन, इस तरह से सोचिए, हमारे मरने के एक मिनट बाद/ एक तो हमने स्वर्ग में मसीह की सुंदरता या महीमा देखी, या हमने ऐसा कुछ देखा जो भयानक है/ जिसकी कल्पना से भी आज हम डर जाते हैं/ मतलब जब आप इसके बारे में सोचते हैं, सबसे महत्वपुर्ण सवाल हो हम कभी पुछ सकते हैं, वो है कि हम अनंतकाल कहाँ बिताएंगे? जानते हैं मुझे पासकल के शब्द याद आते हैं, जिन्होंने कहा था, सच में इस संसार में दो समझदार व्यक्ति हैं/ पहला तो वो है जो परमेश्वर से प्रेम करता है, अपने पूरी दिल, मन और आत्मा से/ क्योंकि उसने उसे पा लिया है, और दूसरा तो वो है जो उसे खोजता है/ अपने पूरे मन, दिल और आत्मा से/ क्योंकि उसने उसे अब तक नही पाया है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, डरानेवाले विचार, आप ने जो भी कहा है/ एक बात जो आपकी किताब में अदभूत लगी, जब आपने कहा, हमारे मरने के 5 मिनट बाद/ हम जो भी अनुभव करते हैं, हम जानते हैं कि हमारा भविष्य इसी तरह निश्चित होगा, और अनंतकाल तक नही बदलेगा, एक पल का भी बदलाव नही होगा/ दुसरा मौका नही, दूसरा चुनाव नही होगा, उस समय नही बदल सकते, याने अब हमें निर्णय लेना है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं जॉन, जब मैं बुक स्टोर में जाता हूँ कि यूरोप की यात्रा करने से पहले उसके बारे में किताब खरिद लूँ, मतलब मैं कहाँ जा रहा हूँ उसका अध्यन करता हूँ/ हम सब ऐसा करते हैं, लेकिन ये सच है कि लोग ये नही सोचते हैं कि अनंतकाल आ रहा है/ और वो पृथ्वी से हटकर और कही अपना अनंतकाल बिताएंगे/ और ये बहुत महत्वपुर्ण है कि हम जाने कि हम कहाँ जा रहे हैं, और अच्छी खबर है, कि हम मार्ग जान सकते और भरोसा रख सकते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, और इसी समय आपको लोगों को बताना चाहिए, वो डरावनी कहा, टायनॉल की घटना, जो बताती है कि लोगों ने अपना विश्वास गलत जगह रखा/ और ये सोचता तो सच में बहुत ही भयानक है/ चलिए इसे अभी देखे, इसके उदाहरण के साथ, कि गलत जगह विश्वास रखना/ जो लोग प्रभु पर विश्वास नही करते सोचते हैं कि स्वर्ग जाएंगे/ ऐसा नही होगा, उन्हें स्वर्ग के फाटक से ही वापस भेजा जाएगा/ इसे कदम ब कदम बताईए, शुरु से बताईए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर, जी, मैं लोगों से यही कहता हूँ जॉन, विश्वास आपको नाश कर सकता है, आज कुछ लोग ये प्रोग्राम देख रहे हैं, जिन मे अदभुत विश्वास है, और उद्धार नही पाएं हैं, वो विश्वास उन्हें नाश कर रहा है/ जानते हैं, ये बात है 1982 में, टायनललॉन की घटना हुई थी, शिकागो में जहाँ हम रहते हैं, देखिए क्या हुआ, किसी बुरे व्यक्ति ने, मुझे नही लगता कि उन्हें पता है वो कौन है/ आज के दिन तक/ उसने कुछ टायनललॉन कैप्सूल्स लिए, और उन में सायनाईट डाल दिया/ और इसके परिणाम में 7 लोग मर गएं/ वो तो बस टायनललॉन ले रहे थे क्योंकि उन्हें सिर दर्द था या जो कुछ हो/ और वो मर गएं, इस घटना से हम दो महत्वपूर्ण पाठ सिख सकते हैं, पहला ये है, कि सारे संसार का विश्वास उसे दूर नही कर सकता, जो नुकसानदेह है, और उसे मदतगार नही बना सकता/ मतलब यहां वो लोग थे जो विश्वास कर रहे थे, कि वो टायनललॉन खा रहे रहे हैं, और वो ऐसा कर रहे हैं, इसके लिए भरोसा था/ लेकिन उनके विश्वास ने नही बदला, उस कैपसूल को टायनललॉन में, उस सायनाईट को/ ये महत्वपुर्ण पाठ है/ और दूसरी बात, ये तो अवश्य ही हमारे विश्वास का भाग़ बहुत महत्वपुर्ण है,

लेकिन दूसरा पाठ तो और डरानेवाला है/ कईबार झुठा विश्वास सच्चे जैसे दिखाई पड़ता है/ क्योंकि मुझे बताया गया है कि सायनाईट टायनलनॉल जैसे दिखता है/ और वैसे ही जिन लोगों में विश्वास होता है/ वो प्रभु में विश्वास रखते हैं, प्रभु में भरोसा रखते हैं, और वो स्वर्ग मे जाने की पूरी अपेक्षा करते हैं, और किसी दिन स्वर्ग का द्वार, उनके सामने बंद होगा/ जानते हैं यीशु ने ये कहानी बताई, मत्ती के 7 वे अध्याय में, ये महत्वपूर्ण है, मैं सोचता हूँ हमें यही करना चाहिए, कि इसे पढ ले क्योंकि ये अच्छा है कि गलत बातों को हम निकाल दे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, मैं सोचता हूँ कि इसका कारण है कि हमें बाइबल से देखना चाहिए, क्योंकि लोग कहेगे रुकिए एक मिनट जॉन मैं इस में आपको चुनौति देना चाहता हूँ, मतलब परमेश्वर पर विश्वास करके भी नही जा सकता? क्या बाइबल यही कहती है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं जॉन, ये उससे भी ज्यादा डरावना है, हम मसीह में विश्वास करके भी नही जा सकते/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, चलिए वचन पढते हैं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी, हाँ यहाँ ये है, यीशु कह रहा है, मत्ती अध्याय 7 वचन 21 में, जो मुझ से हे प्रभु, हे प्रभु कहता है उन में से हरएक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा/ परन्तु वही जो मेरे पिता की इच्छा पर चलता है/ उस दिन बहुत से लोग मुझ से कहेंगे, हे प्रभु, हे प्रभु क्या हमने तेर नाम में भविष्यवाणी नही की, और तेरे नाम से दुष्टात्माओं को नही निकाला, और तेरे नाम से बहुत से आश्चर्यकर्म नही किए? तब मैं उनसे खुलकर कह दूँगा, मैंने तुमको कभी नही जाना, हे कुकर्म करनेवालों, मेरे पास से चले जाओ/

मतलब यहाँ ऐसे लोग थे जिन्होंने चमत्कार किए थे, जिनसे लोगों की मदत हुई, मतलब हर सबुत है कि उन्होंने दुष्टात्माएं निकाली, उन्होंने चमत्कार किए/ शायद उनकी कोई भविष्यवाणी पूरी हुई, और वो स्वर्ग में जाने की अपेक्षा कर रहे थे, मतलब, ये इस तरह के लोग नही थे जो चर्च में देरी से आकर पीछे बैठते हैं, और बेनडीक्शन के पहले जाते हैं, ये इस तरह के लोग हैं जो आत्मिक रुप में सामने होते हैं/ और यदि हम ये सोचे हैं खैर ये झुठे थे, ये बस जानते हैं ऐसे लोग थे, जो सीमासे बाहर थे, मुझे नही लगता कि यही बात होगी/ मैं चाहता हूँ कि यीशु यही कहना चाहता है, कि यदि लोग जिन में, जिन में इतना भरोसा था/ इन जीवन में सेवकाई थी, उनके सामने स्वर्ग का द्वार बंद हो जाएगा/ तो हमारे जैसे सामान्य लोगों के बारे में सोचिए, जो इसे नही कर पाएंगे, और यदि हम इसे नही करे, तो बस इसी कारण होगा, जिससे वो नही गएं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये क्या है?

डॉक्टर अरविन लुथजर: गलत विश्वास किया/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: याने, याने, ठीक है, वो लोग जो हर रविवार चर्च में आते हैं, शायद अशर हो, शायद संडे स्कूल क्लास में पढानेवाले व्यक्ति हो/ शायद ये क्वायर के लोग हो सकते हैं/ उन्होंने ऐसा किया और अपेक्षा करते हैं कि वो स्वर्ग में जाएंगे, अब क्या कारण है कि ये अच्छे दिखनेवाले, अच्छे विश्वासी, भीतर नही जाएगे, और अनंतकाल का सर्प्राईज पाएंगे, जहाँ यीशु स्वर्ग का द्वार बंद करके कहता है/ मुझ से दूर हो/ उन्होंने क्या गलत किया/

डॉक्टर अरविन लुथजर: सबसे पहले मैं कहना चाहुंगा कि ये इस पूरी सीरीज़ का विषय होगा/ क्योंकि हम सुसमाचार पर चर्चा करेगे/ और यीशु मसीह में विश्वास, उद्धार देनेवाला विश्वास/ क्योंकि इन लोगों में विश्वास था कि प्रभु चमत्कार करने योग्य है/ क्योंकि

वो खुद चमत्कार कर रहे थे, उन में हर तरह के प्रकाशन थे, जो शायद उन्होंने प्रभु से पाया है, भविष्यवाणी/ लेकिन वो ये नही समझ पाएं, कि यीशु मसीह के आने का उद्देश, अब हम इसे उस समय उनके पास जो ज्ञान था उससे भी ज्यादा अच्छी तरह से देख सकते हैं/ यीशु मसीह की मृत्यु, बलिदान की जरुरत, ये सच्चाई कि बलिदान के बिना प्रभु तक नही पहुँच सकते हैं, लहू के बिना/

जानते हैं, आज लोग कहते हैं कि मैं इस तरह से प्रभु के पास जा रहा हूँ, आप प्रभु के पास उस तरह से आ रहे हैं, और बाकी सबकुछ, जब कि सरल सच्चाई है जॉन, प्रभु के पास एक ही मार्ग है और हम बताएंगे कि क्यों?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: चलिए यही पर रुकते हैं, मैं सोचता हूँ कि कुछ लोग सुन रहे हैं, और कहे रुकिए एक मिनट मुझे ये पसंद नही क्योंकि मैंने इस तरह से ठान लिया है/ इमानदारी से कि मैं प्रभु तक पहुचुंगा/ ठीक है, यीशु ने कहा कि वो नही आएंगे लेकिन बताईए कि क्यों, केवल इमानदार होना ही अच्छा नही है/ कि खुद का मार्ग बनाएं, क्योंकि वहाँ सच्चा प्रभु है/ उसने अपनी योजना है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बिलकुल सही,

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब आप इसके बारे में बताईए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: हम इसे ज्यादा विवरण के साथ देखेगे, कि सच में इसे यहाँ सारांश में बताऊं, सरल सच्चाई है कि केवल यीशु ही योग्य था कि उद्धारक हो, उसे छोड़ और कोई नही है/ मैं संसार की आस्थाओं के पारलामेन्ट गया था, शिकागो में, 1993 में, और मैं नीचे पालमर हाऊस गया था, जहाँ लगभग 100 बूथ सेट किए गएं थे, जिन में संसार की हर आस्था के लोग थे, वो वहाँ आएं थे/ मैं इन में से बहुत से बुथस में गया, और उन से पूछा क्या आपके पास पापरहित उद्धारक है/ क्योंकि मैं एक पापी हूँ और मुझे उद्धार पाने की जरुरत है/ और, और, मैं उसे नही ले सकता जिसमें मेरे जैसे कमी हैं/ क्या आप जानते हैं जॉन, मुझे एक भी उद्धारक नही मिला/ हमें बस मिलते है, अच्छे इन्सान, और नबी जो बताते हैं, इस तरह, उस तरह, या जानते हैं, 8 तरह का मार्ग, 4 तरह का मार्ग, वहाँ मुझे उद्धार देने के लिए एक भी नही मिला/ अब केवल यीशु उद्धारक है इसका कारण है केवल उसी में वो धार्मिकता है, जिसे परमेश्वर स्वीकार करता है, जो मेरे लेखे में आनी चाहिए/ उसके बिना मैं खोया हुआ हूँ, मुझे परवाह नही कि मैं कितना भला हूँ, और कितना इमानदार हूँ, और कितने नबियों पर विश्वास करता हूँ, और मैंने कितने भी चमत्कार किए हो/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, कल रात हम चर्चा कर रहे थे, हम बात रहे थे कि लोग इसे छोड़ देते/ और यदि सच में परमेश्वर है, मैंने लैव्यव्यवस्था में पढा है, इब्रानियों को साथ में जोड़ते हुए/ और यदि आप लैव्यव्यस्था पढेगे, मैंने कहा मैं तो मर जाऊंगा/ क्योंकि यहाँ जो पाप है, पूरने नियम का परमेश्वर, सामान्य रुप में यदि कोई पाप करे, तो मर जाएगे, खत्म होगे/ ठीक है, और नए नियम में, इब्रानियों की किताब कहती है/ हम इसी कारण तुरन्त नही मरते हैं क्योंकि यीशु मसीह ने वो पाप उठाया, और वो हमारे लिए मरा/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी, और जॉन, जो मसीह का इनकार करते हैं, उनका न्याय पूराने नियम के न्याय से नए नियम का न्याय बहुत ज्यादा होगा/ कईबार लोग कहते हैं, जानते हैं, पूराने नियम का परमेश्वर बहुत कठोर था, और क्रूर था/ हाँ लेकिन यीशु ने हमारी पहचान इस प्रेमी परमेश्वर से की, जो किसी को नरक में नही भेजता/ जानते हैं ये इब्रानियों की किताब में कहता है/ यदि वो नही

बचे, तो हम कैसे बचेगे, यदि हम इतने महान उद्धार को अनदेखा करते हैं, और यहाँ पर वचन है, जिन लोगों ने अपना उद्धार अनदेखा किया, यहाँ तक कि वो धार्मिक लोग थे, जो परमेश्वर में जुड़ गएं थे,

मैं सोचता हूँ कि हमें एक मिनट और इस वचन को देखना चाहिए, और कहना है, कि ये कैसा होगा/ क्या आप कल्पना करेगे मेरी किताब में मैंने एक मनुष्य का उदाहरण दिया/ वो दलदल में था, प्लेन गिरने के कारण, और बाकी लोग बच गएं, अब केवल यही रह गया, और बचाव प्लेन ऊपर से जाता है और उसे नही देखता/ और वो दलदल में डुबता है/ और जानता है कि वो मर जाएगा/ मतलब ये लोग जो अनुभव करते हैं, वो इसके करीब भी नही है, हम स्वर्ग में जाने की अपेक्षा करते हैं, और स्वर्ग का द्वारा सामने ही बंद हो जाता है/ क्यों? क्या विश्वास की कमी थी? नही/ इन लोगों में महान विश्वास था/ लेकिन गलत चिज़ पर था/ उनका विश्वास प्रकाशन में था, उनका विश्वास योग्यता में था/ शायद उन चमत्कारों में था/ लेकिन उनका विश्वास नही था, खासकर यीशु मसीह में, केवल वही लोगों को बचाने के योग्य है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम अब ब्रेक लेगे और वापस आने पर चर्चा करेगे, दूसरे क्षेत्र जहाँ लोगों ने गलत विश्वास किया है/ अब ये सवाल यहाँ सामने आ रहे हैं, धार्मिक रुप में, दोष निकालने के रुप में, ज्ञाने के रुप में, प्राचिन रुप में, हम इन पर चर्चा करेगे, शायद आप ये हो या आपके कोई दोस्त हो/ तो बने रहे/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, हम चर्चा कर रहे हैं, इस सवाल पर क्या आप निश्चित हैं कि परमेश्वर के साथ अनंतकाल बिताएंगे/ मेरे साथ डॉक्टर अर्विन लूथर है, मूड़ी मेमोरियल चर्च, शिकागो से और अरविन, चलिए मुद्दे पर आएं यदि लोग गलत जगह विश्वास करते हैं/ वो शायद अच्छे हो, शायद वो सोचे कि वो परमेश्वर पर जो विश्वास रखते हैं वो उन्हें स्वर्ग में ले जाएगा/ और आप यहाँ उन्हें ये खतरनाक बात बता रहे हैं, कि वो शायद वो धोका खाएं, शायद वो पूरी तरह गलत हो, और आप उनसे नम्रता से कह रहे हैं, सुनो, स्वर्ग में जाने से पहले, जैसे यीशु ने मत्ती 7 में कहा है/ माफ करना मैं तुम्हें नही जानता/ तो संदेश यही है/ मुझे वो दो तरीके बताईए जहाँ यीशु ने गलत विश्वास के बारे में कहा है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर, जैसे सब जानते हैं कि यीशु ने कहा कि एक चौड़ा मार्ग है, जो विनाश में ले जाता है, और सक्रा मार्ग है जो जीवन की ओर ले जाता है/ जीवन की ओर ले जानेवाला मार्ग इतना सक्रा क्यों है/ क्योंकि ये केवल मसीह में विश्वास का मार्ग है/ जैसे हम समझाएगे/ लेकिन चौडे मार्ग में बहुत लोग हैं, देखिए बहुत लोग नही जानते हैं कि ज्यादा लोग, वचन के अनुसार बता सकते हैं कि स्वर्ग से ज्यादा लोग नरक में होगे/ और इसके लिए कारण है कि ये चौड़ा मार्ग, इसमें टॉफिक के बहुत से लेन हैं/ मतलब आप चौड़े मार्ग पर जो होना चाहे हो सकते हैं, हम हो सकते हैं जिसे मैं कहता हूँ सीढ़ी चढनेवाले/ कोई कहता है कि मैं अपने भले कामों से प्रभु तक जा सकता हूँ,

एक बार मैं प्लेन में था, और एक भाई ने मुझ से कहा, मैंने कहा क्या आप निश्चित है कि आप भले कामों से उद्धार पा सकते हैं, उन्होंने कहा खैर सच में नही, और कहा मेरे अंदर डर है, पुछा कि क्या डर है, उन्होंने कहा कि मदर टेरीसा के पीछे मैं खड़ा हुं, न्याय के दिन, और प्रभु उनसे कहता है, लेडी, तुम और अच्छा कर सकती थी/ और अगली बारी इनकी है/ अगली बारी इनकी है/ हम में ऐसा

कुछ है जो जानने लगाता है, कि चाहे हम कुछ भी करे, हम जो भी करते हैं वो बदलता है, हम सोचते हैं हमारा मकसद अच्छा है, लेकिन नही है, हम पापी हैं, और सच्चाई ये है कि परमेश्वर इतना पवित्र है, देखिए जॉन आज के समाज में, यदि आप मुझ से पुछे कि स्वर्ग में जाने के इन अलग मार्गों में क्या समस्या है, हमने परमेश्वर की पवित्रता को कम समझा है,

किसी ने कहा दूध के लिए भैस हैं, ऊन के लिए भेड़ हैं, और ईश्वर है जो आकर हमारी हर इच्छा को पूरी करता है/ हमने परमेश्वर को अपने रुप में बनाया, याने ऐसा ईश्वर जो खुश होगा, यदि हम अच्छा जीवन जीएं, खैर नंबर एक कोई अच्छा जीवन नही जीता, क्योंकि हम सब पापी है/ और नंबर दो जॉन, यही अच्छी खबर है, आज इस प्रोग्राम को देखते हुए कोई भी, जिसने बहुत पाप किए हो, जिसने अपराध किएं हैं, उसके पास कौनसा मौका है कि सीढी पर चढे, सुसमाचार का शुभसंदेश है कि यीशु मसीह उसके लिए आया/ वो सबसे बुरे पापी के लिए आया/ और इसलिए सीढी चढनेवाले, तो उद्धार का सच में गलत मार्ग है/ वो चौड़े मार्ग पर है/ जैसे यीशु कहता है, जो विनाश की ओर ले जाता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हमारे पास बार्नास रीसर्च रीपोर्ट है, आपकी एक किताब है और आप ने कहा कि लगभग सारे लोग विश्वास करते हैं कि वो अच्छे हैं, कि स्वर्ग में जाएं और आपने कहा, कि धार्मिक तरह के लोगों के लिए बुरा सरप्राईज़ है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी, हम अच्छे होकर भी सांसारिक हो सकते हैं, जानते हैं प्रभु पर विश्वास नही करते, नास्तिक भी अच्छे हो सकते हैं क्योंकि वो प्रभु के स्वरुप में बनाए गएं हैं, वो अच्छे काम कर सकते हैं, लेकिन दूसरी ओर, देखिए धार्मिक लोग होते हैं, ये अच्छे टू शुज वाले हैं, मैं यही कहता हूँ, जिन्होंने सच में कुछ गलत नही किया, वो चर्च जानेवाले हैं, अच्छे हैं, पैसा देते हैं, और ये सब चिज़ें, और उन में से कई लोग खो जाएंगे/ सच्चाई तो ये है, कि वो खो जाएंगे इसलिए नही कि वो अच्छे लोग हैं, लेकिन वो काफी अच्छे नही हैं/ क्योंकि हम इसे अगले प्रोग्राम में देखेगे/ परमेश्वर केवल सिद्धता को स्वीकार करता है, इसलिए हमें उसका पुत्र चाहिए, इसलिए यहाँ धार्मिक लोग हैं, और जो वचन हमने शुरु में पढा है, ये लोग जिन्होंने दुष्ट आत्माएं निकाली, मसीह के नाम में भविष्यवाणी की, मतलब ये धार्मिक लोग थे/ और वो पाते हैं कि वो स्वर्ग में नही जाएंगे/ और यीशु कहता है कि मुझ से दूर जाओ/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है उसे बताईए, ज़रा धीमे हो जाएं शायद उदाहरण देकर बताएं/ लोग स्वर्ग में इसलिए नही जाएंगे क्योंकि, वो सोचते हैं कि वो बहुत अच्छे हैं/ वो खुद के बारे में सोचते हैं, बहुत बड़े जैसे/ याने हम ये कह सकते हैं कि जब दूसरे लोगों के साथ तुलना करते हैं, तो हमेशा खुद को ऊपर रखते और कहते हैं मैं उन लोगों से बेहतर हूँ/ ठीक है, हम इन लोगों से कैसे बातें करे/ कि उन्हें बता सके कि शायद ये सच हो, वो दूसरों से बेहतर हो/ लेकिन परमेश्वर के सामने उनके पाप के कारण बड़ी दरार है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी/ खैर चलिए इस उदाहरण को लेते हैं, सी एस टावर हैं, शिकागो में, अब सी एस टावर तो पहली नैशनल बैंक से बहुत बड़ा है/ और मैं जानता हूँ कि हम बता सकते हैं कि कितने फीट और कितने यार्ड लंबा है/ लेकिन यदि हम सवाल बदलकर कहे, कौनसी बिल्डींग सबसे करीबी तारे के पास है? जो कि कुछ हज़ार प्रकाशवर्ष दूर है/ तो बिल्डींग के बीच का अंतर इतना बड़ा नही है/ देखिए यदि हम खुद के द्वारा खुद को परखते हैं, इसे बंदकर प्रभु के अनुसार परखते हैं/ हमारे बीच का फर्क, कोई अर्थ नही रखता, क्या ये अदभुत नही/ याने हम देखते हैं कि मनुष्यों में समस्या यही है, वो ये है, और लूथर ने बहुत अच्छे से कहा/ लोग

खुदके बारे में सोचते हैं, जीवित हैं, अच्छे रहे, और ये सबकुछ/ और फिर वो ये नही जानते हैं, साथ ही वो अंधे भी हैं, और ये नही जानते हैं, कि वो भयानक पापी हैं, पवित्र परमेश्वर की उपस्थिति में उनका न्याय होगा/

जानते हैं, एक छोटे लड़के ने एक बार अपनी माँ से कहा, माँ, उसने कहा मैं 8 फीट ऊंचा हूँ, और वो था उस स्केल से जो उसने बनाई थी, और लोग गलत स्थर से खुद को देखते हैं/ जब हम बाइबल में आएं, तो हम देखते कि सब ने पाप किया और परमेश्वर की महिमा से रहीत हैं, और जो लोग परमेश्वर के अनुग्रह को स्वीकार करना नही चाहते, खैर हम इस पर ज़ोर देगे, हमारे अगले प्रोग्राम में, इन में जो स्वीकार नही करते, वो अच्छे लोग हैं, वो चर्च में जाते हैं, लेकिन जानते हैं, एक और तरह के लोग हैं जॉन खासकर, हमारे युग में आत्मिकता, और ये लोग आत्मिक है, मिस्टीकल टाईप हैं, ये ऐसे लोग हैं जो परमेश्वर में जुड़ जाते हैं, और ये सोचने की कोशीश करते हैं कि किसी तरह से वो परमेश्वर को जानते हैं, सरल सच्चाई है कि बाइबल ये कहती है, बहुत से लोग, सबसे पहले ये कहती है कि दुष्ट लडखड़ाते और नही जानते कि किस पर लड़खड़ा रहे हैं, लेकिन साथ ही ये कहती है,ऐसे लोग हैं जो खुद के बारे में सोचते, कि बहुत अच्छे हैं, कि कुछ गलत न करे, और कईबार ये सबसे बड़े पापी होते जिन तक पहुंचना मुश्किल होता है/ क्यों? क्योंकि वो अपने जीवन से ये सारी अच्छी बातें बताते हैं, जो उन्होंने किया है, और वो नही समझते, कि उन्हें भी उद्धार पाने की जरुरत है/ उनसे भी ज्यादा जरुरी, उस शराबी से जो सड़क पर गिरता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: चलिए अगल तरह से पुछता हूँ/ लोग प्रभु यीशु के कितने करीब आ सकते हैं, सच्चा विश्वास और स्वर्ग में जाना, और फिर भी चुक जाना/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, संसार की आस्था के पार्लामेन्ट में मैं एक बहन से मिला जिन्होंने कहा, वो किसी तरह की किताब पढ़ रही थी, उसने उसका यीशु उसे वापस दिया/ वो ऐसे घर में बढी जहाँ उसने यीशु के बारे में सुना था/ और यीशु से प्यार किया, वो एक चर्च में गई, और बच्ची होने के कारण उसे ऑडीटोरियम में नही रहने देते थे, उसे दूसरे बच्चों के साथ नीचे जाना था/ और जब वो बड़ी हुई कि ऊपर ही रहती, उसने चर्च छोड़ दिया, और कभी नही गई/ अब उसने कहा कि ये किताब, जो यीशु की कुछ कहानी बताते हैं, खासकर जब वो छोटा था, उसने कहा इस किताब ने मुझे मेरा यीशु लौटा दिया/ उसने एक कहानी पढी कि यीशु 12 साल की उम्र में क्या किया, अब ये बहन रो रही थी/ मैंने उससे पुछा क्या आप सच में यीशु से प्यार करती हैं, ओ उसने कहा मैं प्यार करती हूँ, मैंने कहा बताईए उससे क्यों प्यार करती हैं? उसने कहा दोस्त जैसे उससे प्यार करती हूँ, उससे प्यार करती हूँ क्योंकि वो प्रभु है/ उससे प्यार करती हूँ क्योंकि वो शिक्षक है/ मैंने उसकी ओर देककर कहा, क्या आप उससे इस लिए प्यार करती है क्योंकि वो पापरहित उद्धारक है, जिसने क्रूस पर अपना लहू बहाया कि पवित्र परमेश्वर से हमारा मेलमिलाप करवा दे/

और उसने आँखे फेर दी, और उसने कहा जानते हैं, मैंने इसके बारे में पहले कभी नही सोचा था/ अब यहाँ ये बहन थी, जो यीशु से प्यार करती थी, और आज लोग देख रहे हैं, जो यीशु से प्यार करते हैं, लेकिन वो फिर भी विश्वासी नही हैं/ क्योंकि उन्होंने मसीह में भरोसा नही किया/ उस कारण के लिए, जिसके लिए वो आया था/ और उनके अच्छे काम सच में गिरानेवाले पत्थर है/ क्योंकि ये उनकी असली जरुरत पर पर्दा डालते हैं, जब तक वो अच्छे लोग हैं वो भूल जाते हैं, कि उन्हें एक उद्धारक चाहिए, और अगले प्रोग्राम में, हम अनुग्रह के स्वभाव पर चर्चा करेगे, उद्धार के विश्वास का स्वभाव, और ये सच्चाई की कोई भी, विश्वास की पूरी शाश्वति में आ सकता है/ ये कितना दुःख का होगा कि न्युटन को जाने, लेकिन साईन्टीस्ट के रुप में नही, या शेक्सपिअर को जाने, लेकिन लिटरेचर के व्यक्ति के रुप में नही, कितने दुःख की बात कि यीशु को जाने और उससे प्यार करे, लेकिन उद्धारक के रुप में न जाने/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, मैं सहमत हूँ, और मैं नही चाहता कि ये प्रोग्राम ऐसे खत्म हो, और आप दर्शकों के लिए प्रार्थना न करे/ देखिए मैं जानता हूँ कि कुछ लोग अगले हफ्ते तक राह देखना नही चाहते, आप यीशु के साथ संबंध रखना चाहते हैं, और आज हमारी चर्चा काफी है कि आपको दिखाई कि परेशानी में हैं/ यह कोई आज और अगले हफ्ते के प्रोग्राम के बीच मर जाएं, और स्वर्ग में न हो, क्योंकि आपने मसीह पर वैसे भरोसा नही रखा, जैसे प्रभु चाहता है/ आपके अपने तरिके हैं, अपनी सोच है/ अरविन मैं चाहता हूँ कि आप प्रार्थना करे/ जो लोग आपके साथ दोहराएं, ये खुद से भरोसा हटाएं, और ये जो करते हैं उससे हटाएं/ केवल यीशु पर लाए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: और ये मेरे बाद दोहरा सकते हैं,

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: बिलकुल/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी, आईए प्रार्थना करे, प्यारे परमेश्वर तेरा धन्यवाद कि तूने यीशु को उद्धारक के रुप में भेजा, और मैं उसे अभी स्वीकार करता हूँ मेरे पाप उठानेवाले के रुप में, मैं उसे स्वीकार करता हूँ कि वो मेरे लिए मरा/ मैं धन्यवाद करता हुँ कि उसके कामों के कारण मैं उद्धार पा सकता हूँ, और मैं अभी उसे अपने उद्धारक के रुप में स्वीकार करता हूँ, ये प्रार्थना करता हूँ उसके धन्य नाम में/ अमीन/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अगले हफ्ते हम इस पर और चर्चा करेगे, आप बताईए कि हम किस पर चर्चा करेगे/ अनुग्रह इतना अदभुत क्यों है?

डॉक्टर अरविन लुथजर: बहुत से लोग सोचते हैं कि अनुग्रह मदतगार है, ये अदभुत है, इसे पाना अच्छा है, आप जो कर रहे हैं उसमें ये जोड़ता है, लेकिन वो ये नही समझते हैं, अनुग्रह उससे बहुत बढकर है/ ये तो हमारी कल्पना से बहुत बढकर है/ ये सच में अदभुत अनुग्रह है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: दोस्तों जब आप सुनते हैं कि ये क्या कहना चाहते हैं, परमेश्वर ने बाइबल में कहा, आपको संगीत सुनना है, आपकी आत्मा परमेश्वर के साथ सही होगी/ आशा करता हूँ कि आप अगले हफ्ते जुड़ जाएंगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्न् द्यद्द ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्द्दध्र्.द्दद्धढ़

@JAshow.org

क्द्दद्रन्द्द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्ड्डक्ष्